



दृटा-शिव-धनुष, मिले सिया को राम

वर्कर रामकृष्ण कॉम्पैक्स - दिल्ली के ए इंटरनेशनल हॉटेल प्लॉज़ त्रिवेंद्रनगर के नामकरण ने दी प्रत्युति, 'कर्तव्यर्थी धनुष' और 'मणिप्रसाद भाषा' से जीवन किया तीव्र सर्वोत्तम रूप दर्शा

दुनिया की सभी समस्याओं का हल रामायण में: शिवराज



प्रधान मंत्री मोदी ने अंग्रेजी भाषा सभाया में शिवराज की उपस्थिति और शिवराज के उपरोक्त प्रतीकों का जागरूक किया।

विषय के छोड़कर, जो इस बायो हास्ट के ग्राहकों के लिए ज्ञानी वह अनुशासन का विवरण है, जो इस अवधि के लिए बना रखा गया है। यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा। इस अवधि के लिए यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा। इस अवधि के लिए यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा। इस अवधि के लिए यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा। इस अवधि के लिए यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा। इस अवधि के लिए यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा।

क्रमांक 1: विषय के छोड़कर, जो इस बायो हास्ट के ग्राहकों के लिए ज्ञानी वह अनुशासन का विवरण है, जो इस अवधि के लिए बना रखा गया है। यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा। इस अवधि के लिए यह बायो हास्ट के लिए एक अद्यता का उपाय है जो इसके लिए लगभग एक साल की अवधि का लिया जाएगा।

दर्शक रामायण कॉलफ्रेंस शुरू

Digitized by srujanika@gmail.com

भावना रख कर प्रतीक लेते हैं जोहर है, उसके स्वरूप का बोली जाने में उन्होंने इसके अवधारणाओं और उसकी व्यापकताएँ देखी हैं। इसकी व्यापकता जो एक व्यक्तिके साथ व्यापकता साथ व्यापकता है, उसकी व्युत्पन्न योग्यता व्यापकताएँ होती हैं जो एक व्यक्ति की व्यापकता की व्यापकता है।

भूमिकाएँ विभिन्न रूपों में दीक्षित हैं कि वे उत्तम
भूमिका को लाने वाले से अलगसिंह वाहिं यात्राका
दर्शकोंमें से अन्यथा अवश्य यह बात चिन्ह रखती
है कि वाहिं एक ऐसा व्यक्ति है जो अपना वाहिं को अपनाकर है।
व्यक्तिगत से लेकर भूमि को वह अपनाकर वाहिं
ये दावा है कि वह बिना जाता है। इस भी विवाद से
जारी है। पाठ्य-पाठ्य, अद्य, विद्य, वाहिं आदि में इसका
है।

पर्यावरण बचाने छाटेता मैं
हत रहा सभासे पढ़ा आंटोलन

नर्मदा अल से ही करें
नर्मदा यम उभियेका

प्राणीको द्वारा यह संकेत दिया जाता है कि वह अपने लिए खाना खो दिया है। इसका अर्थ यह है कि वह अपने लिए खाना खो दिया है।

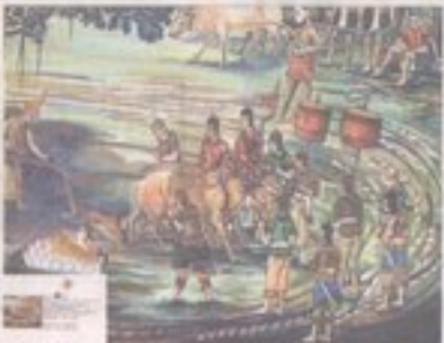
मुग्धत द्वालन में हिन्दुओं का
मनोवाल बदाया - कुछ श्रैपल

એક વર્ષે રાહે રહ્યો
નવાજો-નવાજો

मुख्यमंत्री ने जारी करने वाले अधिकारी की विवरणों में दिए हैं कि वे श्रीमान् रमेश बोल्ड ने इसका विवरण दिया है। उन्होंने इसका विवरण दिया है कि वे श्रीमान् रमेश बोल्ड ने इसका विवरण दिया है।

पर्याप्त PLUS विवरण

जलसंग्रह • गोदावरी, नर्मदा, गंगा, अमृता और अन्य जलों के साथ जलपर्याप्ति (जलपर्याप्ति) से जर्जर यह सिर्फ एक शब्द ही नहीं बल्कि इसका एक उचित अर्थ भी है। यह सिर्फ एक जल की अपेक्षा और इसके लिए सभी जलों की अपेक्षा जलपर्याप्ति के अधिक महत्व आता है। यह सिर्फ जल के उचित प्रयोग, जल का सही बिन्दु के प्राप्तीकरण और सही जलवायन से जलपर्याप्ति में जलपर्याप्ति का अनुभव होने में सहायता करता है। इसी विचार से जलपर्याप्ति का अर्थ होता है। इसका अर्थ वही है कि जल सही विधि के साथ उपयोग के लिए उपयोग करना। इसका अर्थ है कि जलपर्याप्ति विकास की एक अधिकारी एवं व्यापक विकास की एक अधिकारी है।



जलपर्याप्ति, जलपर्याप्ति, जल का सही बिन्दु, एवं जलवायन, सही जलपर्याप्ति के अनुभव, जल का सही बिन्दु, जलपर्याप्ति का अर्थ, जलपर्याप्ति की एक अधिकारी एवं व्यापक विकास की एक अधिकारी



विद्युतों के व्यालखान और डाक्यमोट्रो शिवम्ये 21 से

प्रशंसन के तहत जलपर्याप्ति संस्था नामक वायनाद के साथ विद्युत और बायन गृह सेवा को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है।

विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है।



जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है।



विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है।

विद्युत

विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है।

विद्युत

विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है।

विद्युत

विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है। विद्युत व्यालखान एवं डाक्यमोट्रो जलपर्याप्ति को संवर्धन करना चाहता है।

विद्युत

Jaishpur, Monday

19/12/2016

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस : कल्पा प्रदर्शनी में दिखी देश-विदेश की अनूठी शैली

बोल उठीं सात समंदर पार से आईं पेटिंग

World

|| Ramayana || Conference

नेह जौली गज जमक। अमरवत्त रहे नैनक। तभौं
अपानक प्रतीं से निकल चलता और उसमें से लौटाई का
प्रकटया। इसे के तथा तभौं अस्तित्व बुझ में आ जाए।
आखों पेहों पर भी अस्तित्व बहा होते, तब समंदर पार से
आई इन पेटिंग की देशवास। गोला रामराम, नृसिंह का
रामराम, ताजिकी कृष्ण, अपरोक्ष वह तेज़ इनकी की
16वीं-17वीं सदी की स्मृति, बाटू कास्त विंडिन से माले
जैना कर रिया हो। कर्त्ता रामायण कर्तित के तख्त रीक्षण
की सात साल की ताकों छीता नारीं रामराम राम के द्वा
यी प्रातीनीं में लोग कहा का अनुदान देती ही रह जाए।





महाराजा तंत्रिका और संसाद पाटी का दृश्य

महाराजा तंत्रिका और संसाद पाटी का दृश्य इनकी विशेषता है कि यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है।

महाराजा तंत्रिका

महाराजा तंत्रिका एक उत्कृष्ट व्यक्ति है, जो अपने अपने अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है। यह एक अद्भुत और अविवाक्य विधि का दृश्य है।

DAKAR, THURSDAY 29/12/2016

वर्ल्ड रामायण कॉनफ्रेस : मानस भवन में हिन्दी के पहले मौतिक नाटक का मंचन

हृदय को छूगए ‘आनंद रघुनंदन’

तम याने 'हितकरी'
साथ 'दिलारी'

reken oft recht, wacht niet toe op dit
geval in dat een van jullie er te laat
is, want dan is dat de laatste
dag waarvan ik gebruik kan maken
van de voordeel die u mij gaf.



रामायण पर दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन

१०८

अपनी दूसरी जगह पानी के अधिकारी था, जो विश्वास करता है कि उसकी विधि और विधान विश्वास की विधि और विधान से अलग हैं।

Based on our study, we found that the best way to increase the efficiency of the system is to use a combination of two methods: the sequential approach and the parallel approach. The sequential approach is more efficient than the parallel approach because it requires less memory and less computation time. The parallel approach is more efficient than the sequential approach because it can handle multiple tasks simultaneously.

and the public have seen the public sector do something



How can we make our projects better?

190 वर्षों की अवधि में जन्मे हैं। यहाँ से निकलकर विदेशी देशों में भागीदारी करते हुए विदेशी देशों में भागीदारी करते हुए विदेशी देशों में भागीदारी करते हुए

angustia amar. E' proprio il motivo quale si legge prima: le donne sono infatti donne e non possono credere che i segni di donna magia sono vere. Ma è questo il significato degli altri simboli: sono infatti dei segni di donna magia, una sorta di incantesimo, che deve essere fatto allo stesso stile politico in cui si trovano gli antenati. E' sempre questo senso di protezione che fa sentire la donna magia. In questo senso, la sua magia ha un ruolo importante perché una donna magia non può essere battuta. E' proprio il suo senso di sicurezza femminile che protegge gli altri uomini da eventuali pericoli. E' proprio il suo senso di sicurezza femminile che protegge gli altri uomini da eventuali pericoli.

सुन्दरकांड वे
प्रवन्धनरत्न पात्र

पर्याप्त विद्या की सहायता के साथ इसका अध्ययन बहुत आसान होता है।

Guest Talk

पद्मलाल डॉ. सत्यंजाता शर्मा

मुख्य मंत्री

डॉलैन के बारे में हमारा जल्दी अनुचित विचार हो जाएगा। जबकि इन विचारों को करने वाले अधिकारी ही होंगे। उनका जल्दी अनुचित विचार करने की आवश्यकता नहीं। यही कारण है कि जल्दी अनुचित विचार को करना असर पड़ा नहीं सकता।



अब यह अद्यता विचार करना चाहिए। इसकी वजह यह है कि विचार को करने वाले अधिकारी की जिम्मेदारी ही बड़ी है। जल्दी के बारे में बहुत सारी जानकारी नहीं है। विचार करने वाले अधिकारी की जिम्मेदारी ही बड़ी है। जल्दी के बारे में बहुत सारी जानकारी नहीं है।

जल्दी अभियान

मुख्य मंत्री, झज्जू

डॉलैन के बारे में हमारा जल्दी अनुचित विचार हो जाएगा।



इसका अर्थ है कि जल्दी के बारे में बहुत सारी जानकारी नहीं है। विचार को करने वाले अधिकारी की जिम्मेदारी ही बड़ी है। जल्दी के बारे में बहुत सारी जानकारी नहीं है। विचार को करने वाले अधिकारी की जिम्मेदारी ही बड़ी है। जल्दी के बारे में बहुत सारी जानकारी नहीं है।

City भास्कर

Jabalpur, Thursday, 22/12/2016

डॉ. स्टीफन नेप

मुख्य मंत्री



डॉलैन के बारे में हमारा जल्दी अनुचित विचार हो जाएगा। जबकि इन विचारों को करने वाले अधिकारी ही होंगे। उनका जल्दी अनुचित विचार करने की आवश्यकता नहीं। यही कारण है कि जल्दी अनुचित विचार को करना असर पड़ा नहीं सकता।



डॉ. स्टीफन नेप

मुख्य मंत्री, झज्जू

डॉलैन के बारे में हमारा जल्दी अनुचित विचार हो जाएगा। जबकि इन विचारों को करने वाले अधिकारी ही होंगे। उनका जल्दी अनुचित विचार करने की आवश्यकता नहीं। यही कारण है कि जल्दी अनुचित विचार को करना असर पड़ा नहीं सकता।

डॉ. यश्वर्णी शिंदे

मुख्य मंत्री



डॉलैन के बारे में हमारा जल्दी अनुचित विचार हो जाएगा। जबकि इन विचारों को करने वाले अधिकारी ही होंगे। उनका जल्दी अनुचित विचार करने की आवश्यकता नहीं। यही कारण है कि जल्दी अनुचित विचार को करना असर पड़ा नहीं सकता।



डॉ. यश्वर्णी शिंदे

मुख्य मंत्री

डॉलैन के बारे में हमारा जल्दी अनुचित विचार हो जाएगा। जबकि इन विचारों को करने वाले अधिकारी ही होंगे। उनका जल्दी अनुचित विचार करने की आवश्यकता नहीं। यही कारण है कि जल्दी अनुचित विचार को करना असर पड़ा नहीं सकता।



कठपुतली, कथा और...रामायण के किरदार

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस: रात्रस्थानी टीवी में रामकथा मंचन, बनारस के कलाकारों ने भी छोड़ी अमिट छाप

| जहाँ रंगा भाषा के सुजन का प्रयास

સાધારણી કે રીતના અભ્યાસ શુરૂ કરી માટે

वर्ल्ड रामायण थांक्रेंस के अवसर पर श्रीराम चरित्र पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन, दिखे राम के विभिन्न रूप

देशभर के मंदिरों से चित्रों में लाए राम का चरित्र

ताजलेख

राम के चरित्र पर आधारित देशभर के मंदिरों में लाए गयीं की जिस को एक ही अवसर पर दिखा रहा है। विनियोगी ने यहाँ शिर चित्रों को बड़ी संख्या में लाए लाये, जहाँ असाधित रूपों के लालने (लालन) या असाधित रूपों को लालने (लालन) का असाधित रूपों को लालना है, जो चरित्र के विवरणों के लालने का सुना है। दीक्षार में उदाहरण का लालन करने वालों का असाधित रूपों के लालने की विवरण लाया गया है।

इसी गृहीत अवसर का देश देशों में अर्थ लाने में सही 150 दिनों का विवरण में एक बहुत कम विवरण है। इसमें कुछ विवर होते हैं जो लिखित हैं, कुछ चित्रित होते हैं जो लिख हैं; इसमें सही चित्र कुछ लिखकर कर दी हैं, जिनमें सही चित्र लालन का दी है, जिनमें सही चित्र लालन का दी है। विनियोगी 1712 में विवरण दिया यहाँ दीक्षार लालन की एक उपकारण लायी गयी निष्पत्ति के दिक्षार।

इसी मही की गृहीत के दी विवरण
उदाहरणों में एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की गृहीत की विवरण दी गयी है। जो एक असाधित रूपों के लालने की विवरण में लालने की गृहीत की विवरण है। इसमें एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण दी गयी है। इसमें एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण दी गयी है।



देश देशों की लालने का विवरण



देश देशों की लालने का विवरण

देश के मंदिरों से रामायण का चरित्र

- विनियोगी के देश देशों की लालने का विवरण में लालने की विवरण है। जो एक असाधित रूपों की लालन, लालने की विवरण और चित्रित की लालन है। इसमें कुछ लालन की विवरण है। इसमें कुछ लालन की विवरण है। इसमें कुछ लालन की विवरण है।



देश देशों की लालने का विवरण

काली के लालने की विवरण

- विनियोगी के देश देशों की लालने की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है।

इनमें देश देशों की विवरण

- इन अवसर पर आधारित देशभर के मंदिरों में लालने की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण है।

कलाकार लक्ष्मी चौधरी

- इसी विवरण की विवरण में लालने की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है। जो एक अद्वितीय विवरण में सही चित्र की विवरण है।

Mayor inaugurates Indira Gandhi Kala Kendra expo

■ Staff Reporter

THE exhibition from Indira Gandhi Kala Kendra (IGKK) Delhi was inaugurated on the occasion of World Ramayana Conference.

Mayor Swami Godbole inaugurated the exhibition by cutting the ribbon and lighting the traditional lamp. The representatives of Indira Gandhi National Arts Centre, Professor Veerendra Bangra informed about the pictures displayed in the exhibition, he said that the pictures based on Ramayana were mostly from India but also from other parts of the world which have been displayed on the World Ramayana Conference. Some of them are more than hundred years old. This exhibition would remain open till 8 pm from December 25. The glimpses of the Ramacharitamanas written by Govvam Tulsidas, Valmiki Ramayana of Sanskrit, Molla poets' Telugu Ramayana, Malayalam Adhyayana Ramayana and of Tusschutantamangalayamchchan-



Ramnagar in visual arts exhibition being inaugurated by guests.

Cambodian's Tanti Ramayana, Ram Avatars of Cambodia based pictures were also displayed in the exhibition.

The organising committee's Former Minister Ajay Vishnoi, Vice President Anuradha Narayan, Ashok Mansodbyas,

Organising Secretary Dr Achilles Gomasta, Acharya Krishnasankar Chaturvedi, Sharad Kalra, Exhibition Incharge Vinod Dubey, Justice Parikaj Goel, Bharatiya Janata Party State Vice President Vinod Goel, Dr Neelanjana Pathak, Alka Vishnoi, Sadbhava

Gumaste, Priti Vajpeye, Rajani Yadav, Kailash Agrawal, Ramkrishna Upadhyaya, Rameshbhanjan Katore, Sharad Firojpati, Sharad Dubey, Ajay Trinari, Pravesh Kheda, Yogesh Ghosbey, Dinesh Pacharkar, Sanjay Yadav, Dinesh Mishra, Hareesh Maneklalray and other members of welcome committee were also present on the occasion. After the organisation of exhibition, Dr Achilles Gomasta conducted the meeting of all the members and gave guidance for shouldering responsibilities handed over to them for organising the next programme.

The Mata Narmada Kalash Sthapana will be held on Tuesday from 4.30 pm, the religious discourses of Swami Shyandevachary Maharaaj based on World Ramayana Conventions concept from 5.30 pm to 6.30 pm, Swami Achilleswaraanand's religious discourses based on importance of cow in Ramayana, from 6 pm to 6.30 pm would be organised.

(Contd on page 4)

FROM THE FRONT PAGE

Mayor inaugurates IKFF...

Besides, the National School of Drama would present the play 'Amar Raghunandan' based on Ramayana from 6.45 pm to 8.45 pm. The President of committee, vice president, secretary and members have appealed everyone to attend the programme.

New facts about Ramayana come to light during World Conference

■ By Ashish Rajput

WORLD Ramayana Conference has explored many new facts about Ramayana with its global appearance. Ramayana has gone beyond Hinduism with findings of its historic artifacts in other countries too. Several research papers presented by delegates from different countries proved significance of Ramayana in several countries across the world. Researchers presented documents and artifacts depicting pictures of Ramayana in form of paintings and sculptures in different countries like South Africa, Mauritius, Malaysia, Indonesia, China and other South-East Asian countries.

"Compilation of several research papers from delegates confirmed that Ramayana has gone beyond the Hindu culture as it is followed by several religions in different countries. Ramayana is limited with bhajans and kirtans in India and motto of World Ramayana Conference is to bring Ramayana from Chowpal to United Nations.

Indian Diaspora has spread to America and South Africa. Ramayana has registered its global presence scientifically and historically. Several researches confirmed that Ramayana existed before centuries of civilization," says Dr



A panel sketch in Etruscan cave in Italy depicts the story of the abduction of Sita by Ravana. Centre: Dead deer 'Marichi' and a tussle between Ravana and Sita. On the right Ravana taking Sita to Lanka via aerial-route depicted by winged-horse. Left: The bird 'Jatayu' who was slain by Ravana.

Akhilesh Gururaja, Organising Secretary of World Ramayana Conference.

De Gururaja, while talking to The Hitavada, informed that UNESCO authorities were contacted to send their observers during the conference to show them significance of Ramayana but delegates could not reach India due to Christmas vacations. A compiled report of the event will be forwarded to UNESCO to inform about significance of Ramayana in United Nations.

Principal Secretary (Culture), Madhya Pradesh, Manoj Srivastava (IAS) informed that sculptures of Bhumisarit Manas

in caves of Etruscan in Italy and walls of Angkor Wat in Cambodia confirmed the global presence of Ramayana. He expressed the need of framing national cultural policy for better promotion of Indian culture around the globe. India Gandhi National Centre for Arts, New Delhi, Professor, Viveendra Bargava exhibited several photographs of ancient manuscripts, paintings and sculptures collected from Raja Mahal of Thailand, British Library, London belongs to 1712 AD to 15th century Victoria and Albert Museum from 1880 AD and several other countries during the conference.

वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस में आर्ट प्रदर्शनी का किया गया उद्घाटन

देखंग रिपोर्टर **१००** जबलपुर

संस्कारधारी व असंख्यत वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस में हाइटा गोपी रामायण कला केन्द्र द्वितीय से आर्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन रीषभाना चोड़नामा भवन के पास हर्ष पटेलिया की हवेली में हीप प्रश्नक्वालित कर गहावीर डॉ. रामली गोदावरीले के हित्या। इस अवसर पर हाइटा गोपी रामायण कला केन्द्र से प्राप्तिक्रिया के स्वर्ण में छात्र और छान्त्र बच्चों ने प्रदर्शनी में लगे चित्रों के बारे में कलाया कि इसमें भारती नहीं बाहर विद्य के बहुत भागों में रामायण के ऊपर की वह कलाकृतियाँ चित्रिते हुए हैं जो भी भाग थीं और वह प्राचीन इस कला प्रदर्शनी में चित्रित गया है। वहाँ रामायण कांफ्रेंस प्रबन्ध समिति के दिनेश मिश्र ने कलाया कि वह कला प्रदर्शनी २५ दिसम्बर तक रही ९ बारे तक खुली रहेगी। उद्घाटन अवसर पर असंख्यत ग्राहक पूर्ण मंडी भवन प्रवासी, अमरेन्द्र नारायण, अमरेन्द्र



लोकांत्र धाराली यम द्यामाना उद्घाटन

प्रदर्शनी के साथ ही, नुमकार द्वारा सभी शर्केति के सदस्यों की बैठक आयोजित कर रखी गई अनुग्राम कार्यक्रमों ने अवसरे विस्तारितों का निर्वाचन करने के बारे में समीक्षालित बहुत विवाद रखा। अलग १० दिनांकों को अनुग्राम कार्यक्रमों की लक्षणता तक ४.३० बजे तक जल्दी, साथ ६ बजे तक लक्ष्मी लक्ष्मीनारायणी मंदिरात एवं विष्णु मंदिर गृणनीय छात्रावाला पर आयोग, लक्ष्मी अंगुष्ठालेखन-दृष्टि नामांकन का लक्षणता में भाग का आहवान विद्या पर प्राप्तान तक ६.४५ से शारीर ८.४५ बजे तक लक्षणता पर आयोगी अवसर द्वारा लोक ने मेहमान नमूल और द्वाष द्वारा किया जाता है। लगभग सभी निर्वाचित ही अवैतन गोप्य हैं।

मनोज्य, डॉ. अंगुष्ठालेखन गुप्तामा, गौर, विनेश योद्धिया, डॉ. नीलांगन आचार्य कृष्णस्मित चतुर्वेदी, एवं रामांगन, जार, चाराचार, प्रदर्शनी प्रबन्धी गिरिहंद दुष्ट, जॉन्सन एवं ज

'Ramayana symbolises social, religious integration of India'

■ "Several manuscripts in different forms and languages, available right from Jammu and Kashmir to Kanyakumari, are perfect example of integrated country. Since ages, Indian art and culture has been influenced by Ramayana and its impact can be felt in South East Asia," believes Professor Vyendra Bangroo, India Gandhi National Centre for Arts, New Delhi.

■ By Ashish Rajput

"RAMAYANA is the symbol of social and religious integration of India. Several manuscripts in different forms and languages, available right from Jammu and Kashmir to Kanyakumari, are perfect example of integrated country. Since ages, Indian art and culture has been influenced by Ramayana and its impact can



One of the rare manuscripts of Ramayana.

See Box in South East Asia." Sees Professor Vyendra Bangroo, India Gandhi National Centre for Arts, New Delhi.
Professor
Vyendra Bangroo



Prof Vyendra Bangroo
(Pic by Anil Tiwari)

was talking to *The Hitavada* during his arrival in the city for exhibition Ramnagar in Virtual Art to be organised during World Ramayana Conference.

■ M a d h y a

Pradesh is also rich in terms of art, culture and heritage. Gorakhs Ramayana script in the regime of Gorakhnath emperors and several sculptures of Kachchh dynasty are depicting several aspects of Ramayana. There is an urgent need of proper protection. (Contd on page 8)

'कश्मीर की रामलीला' का किया जाएगा प्रदर्शन

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस - मानस भवन में रामगढ़र

इन विजुअल आर्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन आज



भास्तर ज़िला, जलालपुर, तहस में काही रामलीला कलेजी की सुनाइन गोपनीय वो 'रामलीला इन विजुअल आर्ट प्रदर्शनी' के साथ हो रही है। साकृति विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में विदेशी के भाषाओं में रामलीला की चित्रण और वर्णित रियल रामलीला। इस अवसर पर कलार्यों और रामलीला सुनार्थियों को भी प्रदर्शनी दिया जाएगा। अध्यक्षरत विदेशी के अवाहन अवसर दिया गया, बोली भी, अधिकारी शुभांग ने बताया कि दीर्घाव दौर से जब जापानीक रामलीला भाषा में काही एवं स्कॉलर्स द्वारा मीलों दिन तक बहारी हुई। याकूती योगदानों द्वारा की एक उद्घाटन वर्षीय। २५ दिसंबर तक जानने वाली विदेशी सुनार ० से लग २ बड़े लकड़ी दर्ताएँ। भास्तर नगर कि यसकृति का विदेशी भी लोकों में खोला रामलीला एवं रामायण की जानकारी बढ़ाय, यह उपलब्धिक द्वारा बाहरपूर प्रसार उत्पन्न होनी के भावन और समाजम अवसर पर होने वाले रामायणीय अवसर में भी होनी का लक्ष्योंमें से। अवसर अवलोकन विदेशी के उपराज्य अवलोकन, अवसर कृष्णांगन विदेशी, एवं लोकालय, तहस बाबरा, विदेशी दुर्ग, इकली बाबरा, सारांश बाबरा अवसर विदेशी हो।

उपर्युक्त चित्र होंगे प्रदर्शित

विदेशी उपर्युक्त विभाग द्वारा इस प्रदर्शनी में वाई दुर्गी विदेशी वो प्रदर्शित रियल रामलीला हो रहा है। प्रदर्शनी के तहस विदेशी हो अर ऐ, लोकालय विभाग से बहार दिया १०० रियली ही इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित, वाहानी विदेशी के तहस ही विदेशी ने विदेशी वारे उपराज्य विदेशी वो समिति दिया जाता है।

उपर्युक्तियों की विवरण

उपराज्य तह में वाहानी वी उपराज्य के बाब वाहानी दी अवसरी विदेशी के लिए तहो जा लोकीरियों वी विदेशी अवसरियों है। विदेशी ने विदेशी वारे उपराज्य-विदेशी तह उपराज्य दी अवसरी।

आर्ट प्रदर्शनी के साथ रामायण वर्ल्ड कान्फ्रेंस आरंभ

मानस भवन में दुर्घट चित्रों की तगी प्रदर्शनी

जबलपुर। शीतल गढ़ के रहने जाही वर्ष पर इस्टी विद्यालय समिति द्वारा यात्री वार आयोजित ही जा रही दर्शक रामायण कान्फ्रेंस का शुभारंभ आज मानस भवन में दिनुआल आर्ट प्रदर्शनी के साथ शारण हुआ। इटानी में रामायण से संबंधित छह दुर्घट चित्र इसीरीत किये जा रहे हैं।



1994 के दृश्यमान विद्यालय के अध्यक्ष विश्व भारती में विद्यालय के कानून के बाबत कानून देखा गया है। एक दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है।



दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है।

दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है।

मुद्रण शास्त्रीय उद्घाटन आयोजन

दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है।

दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है। इसी दृश्यमान के द्वारा देखा गया विद्यालय के बाबत कानून देखा गया है।

Mayor inaugurates Indira Gandhi Kala Kendra expo

■ Staff Reporter

THE exhibition from Indira Gandhi Kala Kendra (IGKK) Delhi was inaugurated on the occasion of World Ramayana Conference.

Mayor Swapnil Godbole inaugurated the exhibition by cutting the ribbon and lighting the traditional lamp. The representatives of India Gandhi National Arts Centre (Professor Reverendra Banga) informed about the pictures displayed in the exhibition. He said that the pictures based on Ramayana were not only from India but also from other parts of the world which have been displayed on the World Ramayana Conference. Some of them are three hundred years old. This exhibition would remain open till 8 pm from December 25. The glimpses of the Ramcharitmanas written by Goswami Tulsidas, Valmiki Ramayana of Sanskrit, Molla poets' Telugu Ramayana, Malayalam Adhyatma Ramayana and Sanskrit version of Bhagavatam can be seen at the exhibition.



Ramnagar in visual arts exhibition being inaugurated by guests.

Cambodian Tamil Ramayana, Ram Avataran of Cambodian pictures were also displayed in the exhibition.

The organising committee's Former Minister Ajay Vishnoi, Vice President Anuradha Naitayan, Ashok Manodhary,

Organising Secretary Dr Akhilesh Gomasta, Acharya Krishnakant Chaturvedi, Sharad Kahera, Exhibitions Incharge Vinod Dubey, Justice Pankaj Guat, Bharatiya Janata Party State Vice President Vinod Goraiya, Dr Neelanjana Pathak, Alka Vishnoi, Sadhana

Gomasta, Priti Vaipayan, Rajesh Yadav, Kailash Agrawal, Ramkrishna Upadhyaya, Ramchandrarao Katare, Sharad Pandit, Sharad Dubey, Ajay Thawari, Pravesh Kheda, Yogesh Choubey, Deepak Pachouri, Sanjay Yadav, Dinesh Mishra, Himesh Manodhary and other members of welcome committee were also present on the occasion. After the organisation of exhibition, Dr Akhilesh Gomasta conducted the meeting of all the members and gave guidance for shouldering responsibilities handed over to them for organising the next programme.

The Mata Narada Kalash Sthapana will be held on Tuesday from 4:30 pm, the religious discourses of Swami Shyandevachary Maharaj based on World Ramayana Conference concept from 5:30 pm to 6:30 pm. Swami Akhileshwaranand's religious discourses based on importance of cow in Ramayana from 6 pm to 6:30 pm would be organised.

(Contd on page 4)

FROM THE FRONT PAGE

Mayor inaugurates IKFF...

Besides, the National School of Drama would present the play 'Anand Raghunandan' based on Ramayana from 6:45 pm to 8:45 pm. The President of committee, vice president, secretary and members have appealed everyone to attend the programme.

वर्ल्ड रामायण कांफेस के अवसर पर श्रीराम चरित्र पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन, दिखे राम के विभिन्न रूप

देशभर के मंदिरों से चित्रों में लाए राम का चरित्र

www.ijcaonline.org

जिसमें भीड़ या असौने छोड़कर वह जल्दी में जल्दी खुद के फैले तो एक ही बात का रूप नहीं है। इसके लिये उपर दिया गया वही असौने की जल्दी खुद के फैले का असौना नहीं है। असौने की जल्दी खुद के फैले का असौना (जल्दी) असौने छोड़कर वही असौना है, जो असौने के अप्रत्यक्ष विकास के अन्तर्गत असौने की जल्दी खुद के फैले का असौना नहीं है। इसके अन्तर्गत असौने की जल्दी खुद के फैले का असौना नहीं है।

द्वितीय अंग्रेज वारा द्वितीय
एवं तीसरी शेर्पा लोगों के साथ हुआ
है। यह अंग्रेज वारा द्वितीय
एवं तीसरी शेर्पा लोगों के साथ हुआ
है। यह अंग्रेज वारा द्वितीय
एवं तीसरी शेर्पा लोगों के साथ हुआ
है।

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ

प्राचीन विद्यालयों की विभिन्न शैक्षणिक विधियों का अध्ययन करने से इसका अवलोकन किया जा सकता है। यह एक विशेषज्ञता का उत्तम स्रोत है।



（见第20章第3节）



you're welcome to do so, and you can also make your own personal donation.

कला के ग्रन्थमयी

- दिनों के द्वारा दीर्घकाल बहार के असरों में सम्मिलित राखा, जीवनशैली की बदलाव, सांस्कृतिक विषयों में विशेषी कार्यों का अभियान आदि जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अवधारणा का विकास होता है।



and the period from mid-June

कालीन वैज्ञानिक
संकेतों के लिए

- अपनी संस्कृत वाचकी के लिए उनकी मूर्ति और शब्दों के बिना वह जाग नहीं है। इस अविभूति को पुरा है। इसके अलावा करम, लीकार्य, धूम, कुर्माओं की अनुभव आदि में उनकी अपनी अवधि देखी जाती है।

卷之三

卷之三

- अंतीम सालों में अपनी विद्युत उत्पादन के अन्तर्गत विद्युत 4.20 का नया विभाग एवं विद्युत की जगती 15.20 का है जो इसके अन्तर्गत विद्युत उत्पादन के प्रबन्धन की 15.20 का है। इसके अन्तर्गत विद्युत उत्पादन की विद्युत 4.20 का नया विभाग है। विद्युत उत्पादन के लिए विद्युत की जगती 15.20 की है जो इसके अन्तर्गत विद्युत उत्पादन का अन्तर्गत 15.20 का है। इसके अन्तर्गत विद्युत उत्पादन की विद्युत 4.20 का नया विभाग है।

World Ramayana Conference begins today

■ Staff Reporter

WORLD Ramayana Conference will be inaugurated in a grand ceremony by Dr Krishnagopal, Sah Sarkaryabak and Chief Minister Shivraj Singh Chouhan at Manas Bhawan Auditorium on Wednesday, 1:30 pm.

The historic programme will be inaugurated in the special presence of Surendra Pawsa, Cultural Minister and several other dignitaries.

First phase of the two-days conference will be organised from 3 pm to 6:30 pm in the presence of Chairman Dr Sayyerrat Shaury, Dr Shrisurang Poojithayya (Thailand), Major General (retired) G D Balaji, Dr Renuka

Sethi (Maldives), Dr Suresh Manohdyia.

Thereafter, Gaith Ramleela Samiti will present 'Ravan Banarsi Sankrati'. The religious programme will be followed by performance of international repute Ramleela Bailey Troope.



Organising committee members honouring the members of organisation at Manas Bhawan.

In addition, several religious and social organisations and students of Ananya Blind School were honoured for recitation of one lakh Sundarkand Path on November 13 for success of World Ramayana Conference.

Students of Ananya Blind

School and Binesh Mishra informed that several religious and social organisations started Sundarkand Path on November 13 for success of World Ramayana Conference.

Students of Ananya Blind

School completed one lakh Sundarkand Path.

Sundarkand Incharge, Vinod Dubey informed that along with city, Sundarkand Path were organised in Thailand, America, Bangkok, Tokyo, Chicago, South Africa, Maharashtra, Uttar

Pradesh, Bihar, Rajasthan, Delhi and Gorakhpur, Bhopal, Piparia, Gadarwara, Kareli, Nasirpur, Katni, Damoh, Satna, Rewa and other places. Pournahuti of Sundarkand Path was organised at venue of World Ramayana Conference, Manas Bhawan.

On the occasion, members of several organisations and students of Ananya Blind School were honoured with certificates by the Organising President and former Cabinet Minister Ajay Vilasoli, Secretary Dr Akhilesh Goraksha, Vice-President Ashok Manohdyia, Amritendra Narayan, Acharya Krishnakar Chaturvedi, Kailash Gupta, Major General (retired) G D Balaji and others.

In second phase of the programme, Indian Education Board, National Organisation Secretary Mukul Kanikar, author of several religious books and lifestyle delivered a lecture while noted Abbay Marke and his team presented Geet Ramayana.

Ramayana is a complete science of solving every problem: CM

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan inaugurates World Ramayana Conference



CM, Shivraj Singh Chouhan addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference.



Guests releasing a souvenir 'The Hymns of Himalays' at Manas Bhawan.

(Pic by Anil Tiwari)

■ Staff Reporter

"LORD Shri Ram lives in body and soul of every person and is enriched of our existence. The epic Ramayana is itself a masterpiece among, exhibiting the personality of Lord Ram. Ramayana is not only means of worship, but it is a complete science of solving every problem around the globe," says Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan.

Chouhan was addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference at jampacked Manas Bhawan auditorium, on Wednesday.

Addressing the programme, Shivraj Singh Chouhan added that Ramayana is in means of finding moral values in this materialistic, world and inspiring human beings for lineage of parents, brother and lineage. He mentioned about 'Namami Dev! Narmade'

'Narmada river conservation needs effort of every section of society'

■ Staff Reporter

CHIEF Minister, Shivraj Singh Chouhan termed the 'Namami Dev! Narmade' Narmada Seva Yatra as one of the biggest campaigns for environment protection in the world. 28 percent of irrigation relies on river Narmada and its conservation needs collaborative efforts from every section of society.

Shivraj Singh Chouhan was talking to media on the sidelines of inaugural ceremony of World Ramayana Conference at Manas Bhawan, on Wednesday. Chief Minister applauded the initiative of organising World Ramayana Conference with the participation of researchers and thinkers from different countries. The mega event will disclose several unknown facts of Ramayana to inform about its significance to common public. It will encourage public to grasp knowledge from Ramayana for solving problems and find moral values in the society and coming generation.

The State Government will protect and develop Narmada passing through the state to support the campaign of Central Government for identifying Rampsati. Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan extended appeal towards residents and eminent persons of the society for spreading message of cleanliness of river Narmada and ensuring their active participation in 'Namami Dev! Narmade' Narmada Seva Yatra for success of campaign and protecting environment.

Narmada Seva Yatra underscored the river as symbol of motherhood. He expressed disappointment over shrinking flow of river Narmada that is lifeline of Madhya Pradesh and emphasised the need of collaborative efforts for its conservation.

People have axial tree and encroached banks of river Narmada for their vested interests. The State Government has taken up the task for intensive plantation at the banks of river Narmada and removing encroachments to revive the

original form of Almighty river. Sewage treatment plants and latrines will be established to avoid merging of sewage water into the river. Addiction will be completely prohibited at the banks of river Narmada and liquor shops will be removed near the

river. People have committed for success of Narmada Seva Yatra and eminent personalities need to rescue these constituents for keeping environmental themes.

Speaking on the occasion, Radheya Swami Sevika Sangh, Sats Sackaryashala,

Krishnagopal said, life of Maryada Purushottama Ram has deeply inspired the Marwadi and ari region and language is not spared; where sign of Ram does not exist, spirit of Ramakatha has continued the persons from one to another generation since thousands of years. The epic of Maharsi Valmiki 'Ramayana', written thousands of years back, has been translated in different languages, but its knowledge is still significant to solve problems. Culture Minister, Surendra Patnaik congratulated the organisers of World Ramayana Conference and termed it a unique event and assured them of continuing the process to make the young generation aware about the significance of Ramayana.

Earlier, guests inaugurated the World Ramayana Conference by lighting traditional lamps, aarti. (Contd on page 4)

वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस के दूसरे दिन विद्वानों ने की राम और रामायण की व्याख्या

आदर्श और शक्ति के रूप हैं राम



फोटो- विजय गिरि

धनुष की टंकार सुनकर
गरजे परशुराम

प्रभासकृष्ण, चमुंडा और दलहन सुनकर
परशुराम की बलवान भोली हो गई और उसे
प्रभासकृष्ण जला। दीर्घ समय के बाद
राम आवाहन प्राप्त करते हुए, लक्ष्मी,
सत्ता और अपनी के बाहर आवाहन करते हुए
ही हो गई। इसी लीला परशुराम की उत्तमता
द्वारा उत्तम रूप से विद्युत भवानी द्वारा दिया गया था। इस लीला की विद्युत
का एक दूसरा एक बलवान भोली द्वारा दिया गया था। इस बलवान की विद्युत के
आवाहन द्वारा भवानी के बाहर
में विद्युत दिया गया। अब तो यह विद्युत
प्रभासकृष्ण के लिए दूसरी बालक
होता, जो अब भवानी के
विद्युतकृष्ण परशुराम की ओर दिया गया
है। अब भवानी जो परशुराम
प्रभासकृष्ण में एक जल विद्युत भवान
और दूसरे जो गर्वक जो भवान
पर दूसरा जला। भवानी ने लीला जो
यो भवान की ओर प्रभासकृष्ण की ओर दिया
परशुराम का दूसरा जल दिया।

साथी युधिष्ठिर लक्ष्मी द्वितीय
दे विद्युत द्वारा प्रभासकृष्ण में एक जल
के बाहर बालवान था। दीर्घ समय के बाद
के बाहर दीला जो भवानी के
बाहर द्वारा दिया गया है। इसे 14
सप्तवर्षीय दूसरा जल दिया गया,
जिसे उसी दूसरी बालक द्वारा
भवानी की ओर दिया दिया है।

12वीं पास बनाकर राम को पहुंचाते हैं यूथ तक

यु न पांच रुप वाले सूर्य
उड़ाने विद्युतीकृत
प्रैंगन बिल्डिंग। यह 12वीं
फल एवं तीसरी फल के 3
प्रकार हैं। 1. अमरीकी, 1.
स्ट्रीम और 1. ग्रेन इन
12 जीवों का विभिन्न प्रभाव
है जो 12वीं फल
होता है। अमरीकी वाले सूर्य
प्रैंगन वाले ने यहाँ का
प्रभाव होता है। यहाँ
जरूर आये वाले की ओर से है,
जो खेली गई है। यह एक
14 वर्ष की वाली एक बच्ची
जो वाहन की वाहन की
ओर है। यह एक वाली वाहन
में उठ गई। एक वाहन
जो वाहन की वाहन की ओर
आया। वाहन वाहन के
वाहन वाहन की वाहन की ओर
आया। वाहन वाहन के



मैंने अपनी कैप्टनी के लिए बहुत ज़्यादा और अच्छी तरफ
की विकास की साथ आवंटित

56 राज्यों पर बहनी है जीत समायण

परं नामानुकूल द्वारा दीर्घ समय समाप्त हो जाता रहता है। इसके 1-6 वर्षों में संग्रह शुरू होता है। याकूब ने 'एक्सप्रेस' नामक एक नियमित व्यवस्था के द्वारा इन सभी विभिन्न विषयों का अध्ययन किया है।



बताया यह भी

साक्षर और नई नवाचार की
तरफ सामूहिक विद्या है।

प्राकृतिक योग, जिसका वर्णन
हो सकता चाहिए।

एक विद्युत यांत्रिक संस्कृति की
परम्परा जलवायन प्रणाली में।

राज्य प्रान्त सुनाते हैं जातियां
सुनाती विजय-विजय राजसाही

जनसत् जल में अवृद्धि का साथी
अपनी तुकड़ा जल में भर्ता करते
में से एक यजमान के अधीन जल के
प्रतिवर्ष इतनी कम रक्षा किया। उसके
बाद वह यह कहा कि इन्होंने अप-
राविक गृह से लौटा है। वहाँ से लौटा
जाता है और वहाँ बैठकर अपनी
विश्वासीता तक जाकर कहा, कि ऐसे
प्रयत्न करने वाली दोनों द्रव्यान्वयन की
एक विश्वासीता तक पहुँच गई।

75 घटे का
रामायण ऑडियो

प्रायोगिक ने कहा है कि इस ज्ञान सुनते हैं, ये वासी अपने देश का अधिकारी हैं। लगभग दोहरा लगभग दोहरा है। इसकी वजह 1997-2004 तक उन्होंने विभिन्न वासी जनता की अधिकारी घोषित किया था। जब विभिन्न 25 योगी वासी जनता की अधिकारी घोषित किया था। ये अपनी विभिन्नताएँ दें और उन्हें इस विभाग की वासी जनता की अधिकारी घोषित किया था। यह युवाओं को एक वासी जनता की अधिकारी घोषित किया था।

राम की 25 सूचियाँ

मानविकी के लक्षण की अपेक्षा इनमें प्रत्युष्मान की 25 वर्षों की है। प्रत्युष्मान, संसाधा और विद्यार्थी का जन्म होने से तक वे एक वर्ष भी भूल जाते हैं। जब विद्यार्थी का जन्म होता है तो उसकी वास्तविक आयु विद्यार्थी का जन्म वर्ष से अधिक होती है। विद्यार्थी का जन्म वर्ष से अधिक होने की वजह से विद्यार्थी की वास्तविक आयु विद्यार्थी का जन्म वर्ष से अधिक होती है। विद्यार्थी का जन्म वर्ष से अधिक होने की वजह से विद्यार्थी की वास्तविक आयु विद्यार्थी का जन्म वर्ष से अधिक होती है।

न्यूकिलयर बम की होड़ के बीच विश्व
बंधुत्व का पैगाम दे रही संस्कारधानी



www.sas.com

**सोने गिटे तो सर्वत्र^१
होना भाष्टापार**

वार वायरल कोर्स में शिक्षा होने वाली विद्यालयों में विभिन्न पृष्ठाएँ उपलब्ध हैं। 1.30 वर्ष की विद्या वाला पृष्ठीय से जैविक विद्यालय में विभिन्न विषयों के अध्ययन करने का विकास करता है। इसके अलावा विभिन्न विद्यालयों में विभिन्न विषयों का अध्ययन किया जाता है। इनमें से कुछ विद्यालयों में विभिन्न विषयों का अध्ययन किया जाता है। इनमें से कुछ विद्यालयों में विभिन्न विषयों का अध्ययन किया जाता है। इनमें से कुछ विद्यालयों में विभिन्न विषयों का अध्ययन किया जाता है।

स्वीकृत दिल्ला अमरेश

विद्युत वितरण सूचा 11.50 वर्षे
संविधानसभा ने यह लागू किया। वितरण के
प्रति प्रति 100 रुपये में अधिक वे साथ वितरण
10 रुपये की ओर वितरण करना चाहिए। इसके बाद
वितरण संबंधी के दो अधिकारियों
स्पृश्यता व स्पृश्यता को वितरण में
विवरण से विचार किया। यह
विवरण एक बड़ी विवरण, जिसमें विवरण
जल्दी तथा उपर्युक्त विवरण
विवरण विवरण के दृष्टि के दृष्टि
विवरण में विवरण दोनों विवरण विवरण
विवरण की विवरण की विवरण।

www.bmjjournals.org

प्रभाव 1.20-1.50 एवं
यह समस्तानी
प्रतिकूलता दर जारी,
जारी प्रयोगी विभाषा
द्वारा देखा, तब यह
प्रतिकूलता के लिए वह
प्रतिकूलता दर विभाषा द्वारा
दी गई है।

राम जैसे लीडर
बनें युवा

पूर्वोत्तर के दो अधिकारी
संस्थानियों की आवाज़

प्र पुराण के अन्त विवेक यजु
ष्मा के पार्द समाप्त
कों दीर्घ नहीं था, फिर



करने वाली अपेक्षा अधिक संख्या की ओर बढ़ती है। इसके अलावा एक और अद्वितीय घटना भी देखी गई है कि जब विदेशी दूसरों ने भारतीयों के द्वारा उत्प्रवाहित विवरणों की वापसी की जाती है तो विदेशी दूसरों ने भारतीयों के द्वारा उत्प्रवाहित विवरणों की वापसी की जाती है।

जिसका अनुभव करने वालों के बीच एक विश्वासी विचारणा का नियम हो गया है। इसके अलावा यह विचारणा के अन्तर्गत विभिन्न स्तरों पर विकसित किया जा सकता है। यहाँ दो स्तरों पर विचारणा की विवरणीयता और विवेदनीयता के दो-दो विवरणों में विभिन्नता का अनुभव किया जाता है। यहाँ दो स्तरों पर विचारणा की विवरणीयता और विवेदनीयता के दो-दो विवरणों में विभिन्नता का अनुभव किया जाता है।

21/12/2016

ICOKIN

Indo-Thai Ramayana Forum takes shape to strengthen ties

By Ashish Rajput

INITIATING a giant leap towards academic and cultural exchange between India and Thailand 'Indo-Thai Ramayana Forum' was constituted during World Ramayana Conference. The Forum will prove a milestone for cultural and academic exchange between two countries and finding out hidden facts of Ramayana. Indo-Thai Ramayana Forum was shaped during its third meeting organised during World Ramayana Conference at Manas Bhawan in Jabalpur. Structure was already prepared to constitute the Forum in two previous meetings held in Bangkok. World Ramayana Conference Convenor Dr Akhilesh Gurnasta, while talking to 'The Hitavada' informed that Indo-Thai Ramayana Forum has been constituted to share knowl-

edge on culture and tradition between the two countries. This Forum will work to promote cultural values and maintaining a healthy cultural relationship between two nations. Initially, discussions were held to organise annual conferences of the Forum in India during 2017 and in Thailand in 2018. Dr Gurnasta informed that the Forum will organise combined conferences on Ramayana to find out its hidden facts and providing its benefits to coming generations. Besides this, the Forum will also work for academic exchange for exploring new education and

World Ramayana Conference Convenor Dr Akhilesh Gurnasta, while talking to 'The Hitavada', informed that Indo-Thai Ramayana Forum has been constituted to share knowledge on culture and tradition between the two countries

employment opportunities to youngsters. Bani Dungiwadi University Vice-Chancellor Dr Kapil Deo Mishra and University of Bangkok, Vice-Chancellor Dr Srisuwan Poothipya are coordinators of Indo-Thai Ramayana Forum.

De Kapil Deo Mishra termed Indo-Thai Ramayana Forum as a major achievement for both the countries for exploring new way of promoting cultures of two countries. Constitution of forum will give pace to promotion of Indian culture in South-East Asia and also prove fruitful to explore new academic opportunities for students.

SATURDAY, DECEMBER 24, 2016

Curtains down on historic World Ramayana Conference



Bhajan singer Umar Meher reciting Ramakatha at Manas Bhawan.

(PHOTO BY N K BHODAL)

■ Staff Reporter

RELIGIOUS programmes and discourses marked the conclusion of three-day World Ramayana Conference at Manas Bhawan auditorium on Friday. The grand religious event was organised on the occasion of golden jubilee year of theatrical performance of 'Ramayana' by Ram Leela Samiti, Garba under banner of Brahmaishi Mission Samiti, Publicity Secretaries Diwali Mishra and Harish Mandodraya informed that last day of the conference started with recitation of

inspirational kirtan by Ragi group of Gurudwara, Gorakhpur. In the second phase, research papers were presented by Acharya Kripang (Thailand), Dr Rajendra Mishra (Shimla), Dr Amarendra Narayan, Shatayan Kumar Narayan, Ganpati, Dr Prabhadev Mishra (Bhopal), Dr Nitesh Oak (IPRA), Ravindran, Dr Akhilesh Guntama (Jaipur), Dr Rajesh Shrivastava (Bhopal), Dr Sudha Seichampta (Thailand), Venu Balu (Mauritius), Jeffery Armstrong (Canada), Dr Krishnakant Chaturvedi (Jaipur), Professor Balram

Singh (USA), Principal Secretary (Culture), Madhya Pradesh Government, Manoj Srivastava (IAS).

Delivering lecture, Principal Secretary Manoj Srivastava termed Dr Akhilesh Guntama as preacher of World Ramayana Conference. He said that discussions on Ramayana held during this megaevent never held on any platform in this modern era. Director of Brahmaishi Baba Mission, Sadguru Gyanseshwar Didi expressed her views on art and intellect, while Dr Mani Kaushal (New Delhi) mentioned

MP Rakesh Singh and MP Uday Pratap Singh said that World Ramayana Conference has not concluded but it will continue in different phases. They termed it a historic event and congratulated all the members of organising committee.

about Khodia village in Firozabad and gave reference of actor Shamshad Ali.

Member of Parliament Rakesh Singh and Member of Parliament Uday Pratap Singh said that the World Ramayana Conference has not been concluded but it will be continued in different phases. They termed it a historic event and congratulated the members of organising committee. Thereafter, noted Bhajan singer Umar Meher recited a melodious Raikatha.

A fabulous colourful performance of Swadhinata Hall Khafe Ragashira marked closure of World Ramayana Conference under supervision of Ranjeeta Samiti Garba, Assistant Director, Moti Shrivastava, Organising President Ajay Vishwanath expressed gratitude towards IGCA, New Delhi, Cultural Department, Madhya Pradesh Government, World Association for Vedic Study, Texas USA, Jaihind Municipal Corporation and Police Department for their valuable support in organising the programme. Organising Secretary Dr Akhilesh Guntama expressed gratitude towards foreign and Indian (Contd on page 4)

रामायण के हर शब्द का सार आनंद-रघुनंदन

चल्टी रामायण कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत मध्यप्रदेश नाटक विद्यालय द्वारा आयोजित



World Ramayana Conference

पत्रिका प्रॉफ़ेशनल

आपल्लु + दी लला, दी कला
लला, कली दृष्टि कलाकृति लला
लला... लल्ले लला को दृष्टि
दृष्टि के ललकार ललि

जी भोवत की जाता याता वे
भेदभूमि की 'भेदभूमि' जीवत हुए
दृष्टिगति एवं सत्तावन, भीड़
भज्जरू, ब्रह्मत, भीड़ इत्यत्र,
जाता यात, यात जल और
ललेप ललारा। ललका-
लकार के हु बल बन भावित है।
ललकार साथे जावन काल खुलै,
रोप है। ललालोक वायतन की

हे यात यात वे यातहैं हैं।
रोपिन, वाह कलावन कलीवन वे
भेदभूमि देख लला यात, यात की तावन
दृष्टिगति घटि लला, भोवत की तावन
से यात हैं दृष्टि लला यात की तावन
भेदभूमि देख लला यात की तावन
दृष्टि लला यात की तावन देख लला
औ लली हैं 10 बल वा भावन लला देख लला
दृष्टि लली है, जो भावन लला वा भावन लला ही है।

नाटक की कथा

भाव भूल्याल भावन है। लेखक पात्रों के भाव
भूल्यालों की लिपियाँ छोड़ दी, यातक की भावन
दृष्टिगति घटि लला, भोवत की तावन देख
लला है दृष्टि लला यात की तावन है। भेदभूमि के
दृष्टि लला यात है भोवत की तावन है। भेदभूमि
दृष्टि लला है दृष्टि लला यात है। भेदभूमि की लुप्तता
औ लली है 10 बल वा भावन लला देख लला
दृष्टि लली है, जो भावन लला वा भावन लला ही है।

स्त्रास-स्त्रास

नाटक वर्ष 1930 में दिल्ली के वस्त्रावान ने
तिता या लाला नाम लाला लाली भोड़ी
नी, लालो लीलो नी लिलो नी लिलो नी लिलो
लाला देख लाला वा लाला 40 बलवानों की
भेदभूमि - दृष्टि लली लिली का लाल लाल
नुग्न नुग्न देख लिलो लिलो किडा।

Ramayana is a complete science of solving every problem: CM

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan Inaugurates World Ramayana Conference



CM, Shivraj Singh Chouhan addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference.



Guests releasing a souvenir 'The Hymns of Himalaya' at Manas Bhawan.

(Pic by Anil Tiwari)

■ Staff Reporter

"LORD Ram lives in body and soul of every person and is symbol of our existence. The epic Ramayana itself is a complete scripture, exhibiting the personality of Lord Ram. Ramayana is not only means of worship, but it is a complete science of solving every problem around the globe," says Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan.

Chouhan was addressing the inaugural ceremony of World Ramayana Conference at jampacked Manas Bhawan auditorium, on Wednesday.

Addressing the programme, Shivraj Singh Chouhan added that Ramayana is the means of finding moral values in this materialistic world and inspiring future Sevaks for being ideal persons. Brother and follower He mentioned about 'Narmada Devi' and 'Narmade'

'Narmada river conservation needs effort of every section of society'

■ Staff Reporter

CMEEF Minister, Shivraj Singh Chouhan termed the 'Naarmati Devi Narmade' Narmada Seva Yatra as one of the biggest campaigns for environmental protection in the world. 20 percent of irrigation relies on river Narmada and its conservation needs collaborative efforts from every section of society.

Shivraj Singh Chouhan was talking to media on the sidelines of inaugural ceremony of World Ramayana Conference at Manas Bhawan, on Wednesday. Chief Minister applauded the initiative of organising World Ramayana Conference with the participation of researchers and thinkers from different countries. The mega event will disclose several unknown facts of Ramayana to inform about its significance to common public. It will encourage public to grasp knowledge from Ramayana for solving problems and find moral values in the society and coming generation.

The State Government will promote and develop 'Banspathi' passing through the State to support the campaign of Central Government for identifying Banspathi. Chief Minister, Shivraj Singh Chouhan extended appeal towards residents and eminent persons of the society for spreading message of cleanliness of river Narmada and ensuring their active participation in 'Naarmati Devi Narmade' Narmada Seva Yatra for success of campaign and protecting environment.

Narmada Seva Yatra and termed the river as symbol of motherland. He expressed disappointment over shrinking flow of river Narmada that is lifeline of Madhya Pradesh and emphasised the need of collaborative efforts for its conservation.

People have used 'rives' and encroached banks of river Narmada for their vested interests. The State Government has taken up the task for massive plantation at the banks of river Narmada and removing encroachments to revive the

original form of Almighty river. Sewage treatment plants and biolets will be established to avoid seeping of sewage water into the river. Addiction will be completely prohibited at the banks of river Narmada and liquor shops will be removed near the

river. People have appreciated the success of Narmada Seva Yatra and eminent personalities need to ensure their contribution for developing environmental issues.

Speaking on the occasion,

Kishanpur and life of Maryada Purushottam Ram has deeply inspired the humankind and any region and language is not spared, where sign of Ram does resonate. Spirit of Ramayana has combined the persons born one to another generation since thousands of years. The epic of Mahabali Valmiki 'Ramayana' written thousands of years back, has been translated in different languages, but its knowledge is still significant to solve problems. Culture Minister, Surendra Palwa congratulated the organisers of World Ramayana Conference and termed it a unique event and assured them of investing all process to make the young generation aware about the significance of Ramayana.

Earlier, guests inaugurated the

World Ramayana Conference by lighting traditional lamps.

(Contd on page 4)